ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

जब कोई भी वरदान किसी को मिलता है तो वरदान के साथ वरदान को कार्य में लगाने की विधि भी सुनाई जाती है। अगर वह विधि नहीं अपनाते तो वरदान का लाभ नहीं ले सकते। तो वरदान तो सभी को मिला हुआ है लेकिन हर एक वरदान को विधि से वृद्धि को प्राप्त कर सकते हैं। यह संगमयुग का वरदान 21 जन्म भिन्न रूप से साथ में रहता है। यह संगम का रूप अलग है और 21 जन्म यही वरदान जीवन के हिसाब से चलता रहता है। लेकिन वरदाता और वरदान प्राप्त होने का समय अभी है। **तो यह चेक करो कि सर्व वरदान कार्य में लगाते सहज आगे बढ़ रहे हो?यह वरदान की विशेषता है कि वरदानी को कभी मेहनत नहीं करनी पड़ती।** जब भक्त आत्मायें भी मेहनत कर थक जाती हैं तो बाप से वरदान ही मांगती हैं। आपके पास भी जब लोग आते हैं, योग लगाने की मेहनत नहीं करने चाहते तो क्या भाषा बोलते हैं? कहते हैं – सिर्फ हमें वरदान दे दो, माथे पर हाथ रख लो। आप ब्राह्मण बच्चों के ऊपर वरदाता बाप का हाथ सदा है। श्रेष्ठ मत ही हाथ है। स्थूल हाथ तो 24 घण्टे नहीं रखेंगे ना! **यह बाप के श्रेष्ठ मत का वरदान रूपी हाथ सदा बच्चों के ऊपर है। अमृतवेले से लेकर रात को सोने तक हर श्वाँस के लिए, हर संकल्प के लिए, हर कर्म के लिए श्रेष्ठ मत का हाथ है ही। इसी वरदान को विधिपूर्वक चलाते चलो तो कभी भी मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।**

AMRITVELA

When a boon is bestowed on someone, along with the boon, the method of putting the boon into action is also narrated. If they don't follow the method, they cannot take advantage of the boon. So everyone has received a blessing, but you can achieve growth in each and every blessing with a method. The blessings of this confluence remains together in different ways till 21 births. The form of this confluence is different and this blessing continues for 21 births according to the way of you life. But the time to be the Bestower of Blessings and to receive blessings is now. **So check whether you are moving forward easily by using all the blessings in your actions . The speciality of a blessing is that the one who is blessed never has to make effort.** When even the devotee souls get tired of working hard, they only ask for blessings from the Father. When people come to you and do not want to make effort to have yoga , what language do they speak ? They say - just give us a boon , put your hand on our forehead. The hand of the Father, the Bestower of Blessings, is always on you Brahmin children. The hands are the elevated directions. Physical hands will not be kept for 24 hours, will they? **This hand of the Father's elevated directions as a blessing is always on the children. From Amrit vela till going to bed at night, for every breath, for every thought, for every action , there is a hand of elevated opinion. If you continue to use this blessing methodically, you will never have to work hard**

बाबा ने हमे मंत्र दिया है –

जो देखते हो वह न देखो, जो न दिखाई देता है उसे याद करो।

facebook.com/AvyaktMurliEssence

दातापन अर्थात्...

बापदादा- 23.10.1999

कभी कभी लेवता बन जाते हैं। यह हो, यह करे, यह मदद दे, यह बदले तो मैं बदलूं। यह बात ठीक हो तो मैं ठीक हूँ। यह लेवता बनना है। दातापन नहीं है।

समस्याएं और कुछ नहीं कमजोर मन की रचना है।

facebook.com/AvyaktMurliEssence

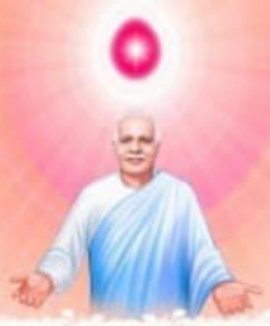

अव्यक्त शिक्षाएँ

सारे कल्प में कम्बाइन्ड रूप का अनुभव सिर्फ़ अब कर सकते हो। वह कंबाइंड रूप है "आप और बाप"। यह कंबाइंड रूप सदा मास्टर सर्वशक्तिवान, सदा विजयी, सदा सर्व के विघ्न विनाशक, सदा शुभ भावना, श्रेष्ठ कामना, श्रेष्ठ वाणी, श्रेष्ठ दृष्टि, श्रेष्ठ कर्म द्वारा विश्व-कल्याणकारी स्वरूप का अनुभव कराता है। सेकण्ड में सर्व समस्याओं का समाधान स्वरूप बनाता है। स्वयं के प्रति वा सर्व के प्रति दाता और मास्टर वरदाता बनाता है। सिर्फ इस कम्बाइण्ड रूप में सदा स्थित रहो तो सहज ही याद और सेवा के सिद्धिस्वरूप बन जाओगे। विधि निमित्त मात्र हो जायेगी और सिद्धि सदा साथ रहेगी। अभी विधि में ज़्यादा समय लगता है। सिद्धि यथा शक्ति अनुभव होती है। लेकिन जितना इस अलौकिक शक्तिशाली कम्बाइण्ड रूप में सदा रहेंगे तो विधि से ज़्यादा सिद्धि अनुभव होगी। पुरुषार्थ से प्राप्ति ज्यादा अनुभव होगी। सिद्धिस्वरूप का अर्थ ही है- हर कार्य में सिद्धि हुई पड़ी है। यह प्रैक्टिकल में अनुभव हो।

अ.बापदादा-22.02.84

You are a graceful soul who was created with a beautiful purpose: a smile that warms, words that encourage, and a heart that loves and gives unconditionally.

BRAHMA KUMARIS
SpARC Wing

कभी मन कहता है -
"इनसे बात नहीं करनी, यह बात कभी नहीं भूलेगी।"

कभी मन कहता है -
"कोई बात नहीं, छोड़ दो, हम तो सही करें।"

मन कभी सही सोचता है, कभी गलत, क्योंकि
आत्मा में प्यार का संस्कार है और नफरत का भी।
जिस संस्कार को ज़्यादा use करेंगे, स्वभाव बनता जायेगे।

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org